

नगरी हो वृन्दावन सी गोकुल सा घराना हो लिरिक्स



नगरी हो वृन्दावन सी,
गोकुल सा घराना हो,
चरण हो माधव के,
जहाँ मेरा ठिकाना हो,
माँ यशोदा सी मैया हो,
दाऊ जैसा भैया हो,
नन्द बाबा की सदा,
मेरे सर पर छड़ियां हो।

तर्ज - लक्ष्मण सा भाई हो।

गउओं की टोली हो,
ग्वालों का साथ मिले,
ब्रज की हो गलियां,
मनमोहक उपवन खिलें,
हो त्याग देवकी सा,
वासुदेव सी शक्ति हो,
उद्धव के जैसे,
निष्ठां और भक्ति हो।

राधा का प्रेम मिले,
गोपियों का रास मिले,
नाचे ये धरती,
गाता आकाश मिले,
यमुना का किनारा हो,
निर्मल जल धरा हो,
भगवन दरस मुझे,
हर रोज़ तुम्हारा हो।

मेरी जीवन नइया हो,
हर नाम खिँवैया हो,
मुरलीधर जैसा,
मेरा पार लगैया हो,
नगरी हों वृन्दावन सी,
गोकुल सा घराना हो,
चरण हो माधव के,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



नगरी हो वृन्दावन सी,
गोकुल सा घराना हो,
चरण हो माधव के,
जहाँ मेरा ठिकाना हो,
माँ यशोदा सी मैया हो,
दाऊ जैसा भैया हो,
नन्द बाबा की सदा,
मेरे सर पर छड़ियां हो।bd।

Singer & Writer – Ashutosh Mishra